कृषि विज्ञान केंद्र, हरदोई-II द्वारा “संतुलित उर्वरक उपयोग” विषय पर “मेरा गांव मेरा गौरव” के अंतर्गत एक दिवसीय गोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 17-04-2026 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई-II द्वारा “संतुलित उर्वरक उपयोग एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन” विषय पर एक दिवसीय गोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन केंद्र परिसर में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को मृदा की उर्वरता बनाए रखने, उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग तथा फसल उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. पंकज नौटियाल ने कहा कि अत्यधिक एवं असंतुलित उर्वरक प्रयोग से न केवल मृदा की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि उत्पादन लागत भी बढ़ती है। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी तथा जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों के समन्वित उपयोग को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि हरदोई जनपद में डीएपी का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है, जिसे संतुलित रूप से कम करना आवश्यक है। साथ ही हरी खाद, दलहनी फसलों एवं जैव उर्वरकों के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व, सूक्ष्म पोषक तत्वों की भूमिका, हरी खाद एवं जैव उर्वरकों के उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश के साथ-साथ जिंक, सल्फर आदि सूक्ष्म तत्वों का संतुलित उपयोग फसल उत्पादन को स्थायी रूप से बढ़ाने में सहायक होता है। कार्यक्रम में डॉ. अंजलि साहू, डॉ. त्रिलोक नाथ राय, डॉ. त्रिलोकी सिंह, डॉ. मोहित सिंह, सुश्री थंगा अनुसूया सहित अन्य वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. मोहित सिंह द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा विभिन्न गांवों में इस प्रकार की जागरूकता गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा वैज्ञानिकों से विभिन्न समस्याओं पर परामर्श प्राप्त किया। अंत में किसानों को उर्वरक प्रबंधन से संबंधित तकनीकी पुस्तिकाएं एवं आवश्यक जानकारी वितरित की गई। इस कार्यक्रम में “मेरा गांव मेरा गौरव (MGMG)” के अंतर्गत नरौइया, एरा ककेमऊ, मदारीखेड़ा, सूरजिखेड़ा, पूर्वामान एवं सरवा गांवों के किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक किया गया तथा अंत में सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अत्यंत लाभकारी बताया।